

(Kb-101K) 21/12/2019

निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से श्री गजराज ठाकुर

ଆମେ ଏହି ନୀତିକୁ କାର୍ଯ୍ୟକାରୀ କରିବା ପାଇଁ ପ୍ରୟାସ କରିବା।

निम्नलिखित विषयों पर विचार करें।
 १. शिक्षा का अधिकार
 २. शिक्षा का अधिकार
 ३. शिक्षा का अधिकार
 ४. शिक्षा का अधिकार
 ५. शिक्षा का अधिकार
 ६. शिक्षा का अधिकार
 ७. शिक्षा का अधिकार
 ८. शिक्षा का अधिकार
 ९. शिक्षा का अधिकार
 १०. शिक्षा का अधिकार

7.455

0.136 है, व पंजाब में 2.296 है ० एवं १.०४५ है ० पंजाब में

बाली ॥ प्रस्तावित वन भूमि के अधिभूत अन्य कोई वैकल्पिक भूमि उपलब्ध नहीं है तथा प्रस्तावित भूमि

श्री मांग चरणम है। प्रणाम का प्रार्थना कि प्रिय ज्ञानि है। प्रस्तावित योजना में भाग 7.455

कृष्ण का प्रभाव नित्य जागृत रहता है। 30 12 1933 के दिनों में

1. 3 23/11 11/3 23/11 / 23/11 11/3 88 11/3

30
24

खानपानी ग्राम सड़क योजना के अन्तर्गत जनपद टिहरी के जौनपुर विकास खण्ड में रायपुर-कुमाव-कटुखाल मोटर मार्ग के कि०मी० 15 से राहुवाव सरेखण प्रस्ताव कि०मी० (15.675 कि०मी०) के नव निर्माण हेतु वन भूमि हस्तांतरण प्रस्ताव ।

कि०पी० (15.675 कि०मी०) के नव निवासी हवे वन भी हस्तांतरण प्रस्ताव ।

ਪ੍ਰਿਥਵੀ ਮਾਭੂਮੀ ਪਰਮਿਤ

19.06.15 को पीएमजीएसीवाईडों सिंचाई खण्ड 2 दिष्टी (एनएसी का नाम) विकास खण्ड में रायपुर-कमलाल मोटर मार्ग के कि०मी० 15 से राजावाड़ नाला/प्रस्तावित परियोजना को बनाये जाने हेतु स्थल निर्धारण किया गया। सर्वेक्षण प्रतियोगिता के द्वारा प्रयोजना परियोजना को बनाने हेतु सर्वेक्षण तथा स्थानीय प्रतिनिधि के द्वारा प्रयोजना परियोजना को बनाने हेतु सर्वेक्षण कार्य अथवा वैकल्पिक स्थलों/समस्याओं के चयन हेतु भाग लिया गया।

क वयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/समरूपों के वयन हों। भाग लिया गया।
निर्दिष्ट मं पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता, परिस्थितिक आवश्यकता, आर्थिक
विकास की आवश्यकता के दृष्टि से जो समरूप/स्थल संस्था उपयुक्त पाया गया है उसमें 1550
रू. 195 (पी0) सिविल भूमि से, 3280 (पी0) वन पचायत से, 10650 (पी0) आरक्षित वन भूमि
से इन समरूपों/स्थल के वयन में कुल 1.085 है 0 नाप भूमि 0.136 है 0 सिविल भूमि 2.296 है 0
क है 0 आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। निम्न से कुल 9.887 है 0 भूमि के इस्तेमाल
गए। इस समरूपन पर/चुने गये स्थल पर लगभग 387 वर्ष विभिन्न प्रजाति के इस परियोजना
प्रतिष्ठित होने से 50... बांल प्रजाति के प्रभावित होंगे। ग्रामीणों के अत्याधिक विवाद के कारण

1550 वन भूमि हस्तान्तरण के कुलना में जो बैकल्पिक वन भूमि हस्तान्तरण देखे गये उसमें 10650 (सी०) वन पचायत से, 3280 (सी०) सिविल भूमि से, 1085 हे० नाप भूमि 0.364 हे० सिविल भूमि 2.296 हे० वन पचायत से कुल 10,115 हे० भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 10,115 हे० भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता पर / घुने गये स्थल पर लगभग 5000 वृक्ष विभिन्न प्रजाति के इस परियोजना के अन्तर्गत वन भूमि की आवश्यकता होगी।

[illegible][illegible]

১৯৮৫ সালের ১২
 মার্চ তারিখ
 ঢাকা

(১৯৮৫ সালের ১২
 মার্চ তারিখ)
 ঢাকা